

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com



हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600

वर्ष: 17

संख्या: 314

प्रभात

हिण्डौन सिटी, बुधवार 17 सितम्बर, 2025

पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा खोल दिया है, राष्ट्रपति ट्रंप को प्रभावित व अभिभूत करने के लिए

ट्रंप, ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर इंगलैण्ड आये हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। ब्रिटेन अपनी पूरी ताकत लगाकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने और लुभाने की कोशिश कर रहा है, जो किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर राज्य अतिथि के रूप में ब्रिटेन पहुँचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति को 900 साल पुराने शाही निवास विंडसर कासल में ठहराया जा रहा है। शुरुआत से ही ब्रिटिश सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रभावित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही थी। निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने वाइट हाउस में पत्रकारों की मौजूदगी में ट्रंप को दिया और कहा कि यह ब्रिटेन के राजा का पत्र है।

राजा का निमंत्रण सौंपने से लेकर ट्रंप के स्वागत के लिए आयोजित होने वाले रिसैप्शन तक, ब्रिटेन ने ट्रंप को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, ताकि व्यापार समझौतों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच उस “विशेष रिश्ते” को और मजबूत किया जा सके, जिस पर इंग्लैंड और अमेरिका हमेशा जोर देते रहे हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने इसी रिश्ते का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी

■ उन्हें निमंत्रण पत्र देने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री वाइट हाउस के “ओवल ऑफिस” खुद गये व प्रैस के सामने चार्ल्स का पत्र उन्होंने ट्रंप को दिया।

■ ट्रंप पहली रात, 900 साल पुराने विंडसर कासल में, चार्ल्स के अतिथि के बतौर बतायेंगे।

■ वे विंडसर कासल के ग्राउण्ड्स पर उतरेंगे तथा रॉयल बग्घी में सवार होकर कासल के गेट तक जायेंगे।

■ सलामी में तोपें दागी जायेंगी तथा बग्घी के आगे ब्रिटेन के हॉर्स गॉर्ड के घुड़सवार चलेंगे तथा पूरे रास्ते, रॉयल बैण्ड, स्कॉटलैण्ड की धुन बजाएगा, क्योंकि ट्रंप का मूल उदय स्कॉटलैण्ड से है।

■ विंडसर पैलेस में ब्रिटिश राज्य की पुरानी व अब्धूत कलाकृतियाँ व अन्य खजाने उन्हें दिखाये जायेंगे, जो अधिकतर भारत से चुराकर ले जाये गये हैं।

■ इंगलैण्ड में ट्रंप के प्रवास के दौरान, ब्रिटेन आशा कर रहा है कि ट्रंप अच्छे मुड में रहें और कुछ व्यापारिक व वित्तीय समझौते कर लें। ब्रिटेन, अमेरिका से विशेष रिश्तों की दुहाई लगातार देता है।

■ पर, इस पूरे प्रयास के बावजूद कुछ बदमजगी हो सकती है। क्योंकि, हाल ही में ब्रिटेन के राजदूत को बर्खास्त किया गया है, कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में।

राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट को सहयोगी देशों का हिस्सा बनने और युद्ध में उतरने के लिए राजी करने की कोशिश की थी। हालाँकि रूजवेल्ट बहुत उत्साही नहीं थे और चर्चिल की हर मांग पर सहमत भी नहीं होते थे।

अब, जबकि यूरोप की स्थिति

गंभीर होती जा रही है और पश्चिमी यूरोप रूसी सैन्य दबाव महसूस कर रहा है, ब्रिटेन ट्रंप को और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए राजी करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, ब्रिटेन अब वह आर्थिक ताकत नहीं रहा, जो पहले था और अब अपनी अर्थव्यवस्था को

पुनर्जीवित करने के लिए अमेरिका से गहरे रिश्ते बनाना चाहता है। तथापि, असली बातचीत बाद में होगी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के कंट्री हाउस “द चैकर्स” में जाएँगे। वहाँ व्यापार प्रोटोकॉल और तकनीकी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हनुमान बेनीवाल का सरकारी आवास खाली कराने पर रोक

जयपुर, 16 सितंबर राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को संपदा अधिकारी न्यायालय की ओर से विधायक कोटे में आवंटित किए गए आवास को खाली कराने के लिए दिए नोटिस की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में राज्य सरकार और संपदा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला

■ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, सम्पदा अधिकारी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किया।

मजिस्ट्रेट व मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार को अपने जवाब के साथ ही समान प्रकृति से जुड़े अन्य प्रकरणों की जानकारी भी पेश करने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश हनुमान बेनीवाल की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुमित्रा चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में सांसद हैं और देश का जना माना राजनेता है। उसे जयपुर में आवास आवंटित किया गया था।

पाकिस्तान के प्र.मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप से मिलेंगे 2 5 सितंबर को

यह मुलाकात, संभवतया यू.एन. की जनरल एसेम्बली के सैशन के दौरान होगी, जिसमें सेनाध्यक्ष मुनीर भी शामिल होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ अगले हफ्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने पाकिस्तान के चैनल “खैबर न्यूज़” के हवाले से बताया कि दोनों पाकिस्तानी नेताओं की यह बैठक 25 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के एजेंडा में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से लेकर क्रूरत पर इज़रायल के हमले के अगर जैसे मुद्दे शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि नई दिल्ली-इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव जैसे कई मुद्दों पर भी बात हो सकती है।

हालाँकि अभी तक इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) या वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास की ओर से इस दौरे के बारे में

■ मुलाकात में पाकिस्तान और अमेरिका अन्य विषयों के अलावा, भारत-पाक के राजनयिक व कुटनीतिक संबंधों पर भी चर्चा करेंगे।

■ काफी समय से अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कुछ ठंड पड़ गई थी। पर, अब, ट्रंप की दूसरी पारी में संबंधों में नज़दीकी व “वॉर्थ” (गर्मजोशी) लौटी है।

आधिकारिक रुप से कुछ भी नहीं कहा गया है। लेकिन यह खबर आसिम मुनीर की लगातार दो वॉशिंगटन यात्राओं के बाद आई है।

ग्वालियर कलैक्ट्रेट में सोमवार को विकास कार्यों की एक नीरस समीक्षा होनी थी, लेकिन यह एक गर्मागर्म राजनीतिक नाटक में बदल गई। इस शो के स्टार केन्द्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया, जो डेढ़ साल की खामोशी के बाद यहाँ आए, ने ग्वालियर शहर की राजनीतिक में उबाल ला दिया। कागजों पर बैठक की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट कर रहे थे, लेकिन सबको यह नज़र आ गया कि सुर्खियाँ किसने बटोरीं। मंच पर ऊर्जा

इस्लामाबाद को उसके “विशाल तेल भंडार” विकसित करने में मदद करेगा। भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए सैन्य टकराव के दौरान, इस्लामाबाद ने ट्रंप को कथित शांति मध्यस्थता का श्रेय दिया, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में और नरमी आई। ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्धब्राम कराने में भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने दोनों देशों पर व्यापार और टैरिफ को लेकर दबाव बनाया। ज्ञातव्य है कि भारत ने इस दावे को सख्ती से नकार दिया था। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सलुम्बर में दूषित दाल खाने से 39 छात्र बीमार

उदयपुर, 16 सितम्बर (कास)। सलुम्बर जिले के कूण गांव में स्थित सरकारी विद्यालय में दाल, चावल खाने से 39 छात्र बीमार हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सबेरे सलुम्बर जिले के कूण

■ सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

गांव में स्थित राजकीय उच्च प्रा. विद्यालय डाईखेड़ा कूण विद्यालय में छात्रों के लिए दाल-चावल का वितरण किया गया, जिसको खाने के कुछ समय बाद स्कूल के छात्रों की तबीयत खराब (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा

जयपुर, 16 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जल जीवन मिशन से जुड़े करीब 900 करोड़ रुपए के चोटाले से जुड़े मामले में ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने ये आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में उसे फंसाया

■ सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा।

गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गत अप्रैल माह में गिरफ्तार कर लिया गया। याचिका के अनुसार मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है। इसके बावजूद भी हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ईडी सहित अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने गत 26 अगस्त को महेश जोशी की जमानत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय वायुसेना की सफलता को स्वीकार किया जैश-ए-मोहम्मद ने

जैश-ए-मोहमद के कमाण्डर मसूद इलयास कश्मीरी ने स्वीकार किया और मसूद अज़हर के वक्तव्य को जारी कर इसकी पुष्टि की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16, सितंबर। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कमाण्डर मसूद इलियास कश्मीरी को यह कहते हुए सुना गया कि भारतीय सेना ने किस तरह उनके गुप्त ठिकानों में घुसकर हमला किया।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में “ऑपरेशन सिंदूर” के अन्तर्गत कई आतंकी ठिकाने तबाह किए जाने के महीनों बाद, जैश के इस कमाण्डर ने स्वीकार किया है कि बहावलपुर में हुये भारतीय हमले में संगठन के शीर्ष सरगना मौलाना मसूद अज़हर का परिवार “चिथड़े-चिथड़े हो गया।”

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी यह बताते नज़र आते हैं कि भारतीय सेना उनके ठिकानों तक कैसे पहुँची और उन पर हमला किया।

■ दूसरी ओर पाकिस्तानी राजनीतिज्ञ बिलावल भुट्टो जरदारी, अभी भी अधिकृत रूप से कह रहे हैं कि इस्लामाबाद अभी इस बात से अनभिज्ञ है कि मसूद अज़हर पाकिस्तान में हैं, और पाकिस्तान ज़रूर गिरफ्तार कर लेगा, अगर भारत इसकी पुख्ता जानकारी दे।

■ मसूद इलियास कश्मीरी के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद ने आतंकवाद को गले लगाया तथा दिल्ली, काबुल व कंधार में बहादुरी से लड़े, पाकिस्तान की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी तरह के बलिदान दिये। पर, 7 मई को भारतीय सेना ने बहावलपुर पर आक्रमण कर मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को खत्म कर दिया।

मसूद इलियास कश्मीरी ने उर्दू में कहा, “आतंकवाद को अपनाकर हमने दिल्ली, काबुल और कंधार से इस मुल्क की सरहदे बचाने के लिए लड़ाई लड़ी। सब कुछ कुर्बान करने के बाद, 7 मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अज़हर

का परिवार भारतीय फौजों द्वारा तार-तार कर दिया गया।” वीडियो में कश्मीरी के पीछे कई हथियारबंद सुरक्षाकर्मी खड़े दिखाई दे रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 नागरिकों के मारे

जाने के कुछ हफ्तों बाद, भारतीय सेना ने “ऑपरेशन सिंदूर” के अन्तर्गत, पाकिस्तान और पीओके में एक साथ रातभर अभियान चलाकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सुदूर ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने बाद में स्वीकार किया कि नौ ठिकानों पर हमले हुए, जिनमें बहावलपुर, कोटली और मुरिदके के स्थान शामिल थे, ये सभी कट्टरपंथी गतिविधियों के गढ़ माने जाते हैं।

पाकिस्तान का 12वाँ सबसे बड़ा शहर बहावलपुर इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह जैश का मुख्य केन्द्र है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर की जामिया मस्जिद सुबहान अल्ल्लाह (उस्मान-ओ-अली कैस) में जैश का मुख्यालय संचालित होता है। जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना 2000 के शुरुआती वर्षों में तब हुई थी, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश्वर सिंह राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त



राजेश्वर सिंह

जयपुर, 16 सितम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेश्वर सिंह को राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। गौरतलब है कि वर्ष 1989 बैच के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)